प्रधानमंत्री द्वारा 3 अंतरिक्ष अवसंरचना परियोजनाओं और 'एस्ट्रोनॉट विंग्स' का उद्घाटन

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने तीन महत्त्वपूर्ण **अंतरिक्ष अवसंरचना परियोजनाओं** का उद्घाटन किया: सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में **SLV इंटीग्रेशन**

- **फैसिलिटी (PIF)**; ISRO प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स, महेंद्रगिरि में नवीन **'सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट (SIEST)फैसिलिटी'**; विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम में **'ट्राइसोनिक विंड टनल'**।
- ये सभी अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाएंगे जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिये भारत के दृष्टिकोण को समर्थन मिलेगा।
  - PIF **PSLV प्रक्षेपणों** को सालाना 6 से बढ़ाकर 15 करेगा और SSLV व अन्य छोटे प्रक्षेपण वाहनों का समर्थन करेगा।
    - SIEST फैसिलिटी **सेमी-क्रायोजेनिक इंजन** विकसित करेगी, जो पेलोड क्षमता को बढ़ाएगी, जिसमें 200 टन तक के थ्रस्ट वाले इंजनों का परीक्षण करने की क्षमता होगी।
    - **ट्राइसोनिक विंड टनल** रॉकेट और विमानों के लिये **वायुगतिकीय परीक्षण** में एक उपलब्धि है।
  - ये सुविधाएँ **गगनयान मिशन** के लिये भी महत्त्वपूर्ण हैं।
- साथ ही प्रधानमंत्री ने गगनयान मिशन के लिये चुने गए 4 पायलटों के नामों की घोषणा की और उन्हें **'एस्ट्रोनॉट विंग्स'** प्रदान किये।
  - गगनयान मिशन के लिये नामित पायलट– **ग्रुप कैप्टन पी. बालाकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप** और **विंग कमांडर एस. शुक्ला** हैं।

और पढ़ें: गगनयान मिशन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-unveils-three-space-facilities-and-presents-astronaut-wings